बाल महाभारत कथा

‘अंबा और भीष्म’

(मॉड्यूल-1/2)

महाभारत कथा

मुख्य कथावस्तु भाग-1

इससे पूर्व प्रसंग में इस पुस्तक में महाभारत कथा से लेकर भीष्म प्रतिज्ञा तक की कथावस्तु वर्णित है। यहाँ अंबा और भीष्म पाठ के भाग 1 में सत्यवती के पुत्र चित्रांगद के युद्ध में मारे जाने के बाद भीष्म द्वारा राज्यभार संभाला जाना। आगे भीष्म का काशीनरेश की बेटियों (अंबा, अंबिका, अंबालिका) के स्वयंवर से उन्हें जीत कर लाना तथा अंबा के आग्रह पर उसे उसके मनोतीत पति राजा शाल्व के पास भेज देना। इसके पश्चात विचित्रवीर्य से अंबिका और अंबालिका का विवाह करा देना। सौभराज शाल्व द्वारा अंबा को अस्वीकार किया जाना तथा अंबा का निराश होकर हस्तिनापुर लौटना। सौभदेश से लौटकर अंबा द्वारा भीष्म को सारा वृत्तान्त कह सुनाना, इस प्रकार का कथावस्तु की चर्चा भाग 1 में की गई है।

अंबा और भीष्म

सत्यवती के पुत्र चित्रांगद बड़े ही वीर, परंतु स्वेच्छाचारी थे। एक बार किसी गंधर्व के साथ युद्ध हुआ, उसमें वह मारे गए। उनके कोई पुत्र न था, इसलिए उनके छोटे भाई विचित्रवीर्य हस्तिनापुर की राजगद्दी पर बैठे। विचित्रवीर्य की आयु उस समय बहुत छोटी थी, इस कारण उनके बालिग होने तक राज-काज भीष्म को ही सँभालना पड़ा। जब विचित्रवीर्य विवाह के योग्य हुए, तो भीष्म को उनके विवाह की चिंता हुई। उन्हें खबर लगी कि काशिराज की कन्याओं का स्वयंवर होनेवाला है। यह जानकर भीष्म बड़े खुश हुए और स्वयंवर में सम्मिलित होने के लिए काशी रवाना हो गए।

शब्दार्थ- स्वेच्छाचारी= मनमाना आचरण करनेवाला, गन्धर्व= पौराणिक उपदेवता जो स्वर्ग में गाने-बजाने का काम करते हैं, बालिग= वयस्क

देश–विदेश के अनेक राजकुमार उस स्वयंवर में भाग लेने के लिए आए थे। राजपुत्रियों को पाने के लिए आपस में बड़ी स्पर्धा थी। क्षत्रियों में भीष्म की प्रतिज्ञा की प्रतिष्ठा अद्वितीय थी। उनके महान त्याग और भीषण प्रतिज्ञा का हाल सब जानते थे। इसलिए जब वह स्वयंवर–मंडप में प्रविष्ट हुए, तो राजकुमारों ने सोचा कि वह सिर्फ स्वयंवर देखने के लिए आए होंगे। परंतु जब स्वयंवर में सम्मिलित होनेवालों में भीष्म ने भी अपना नाम दिया, तो अन्य राजकुमारों को निराश होना पड़ा। उनको क्या पता था कि दृढ़व्रती भीष्म अपने लिए नहीं, वरन् अपने भाई के लिए स्वयंवर में सम्मिलित हुए हैं।

शब्दार्थ– स्वयंवर= पति चयन संबंधी उत्सव, स्पर्धा= प्रतियोगिता, प्रतिज्ञा= शपथ, दृढवती= अडिग/मजबूत

सभा में खलबली मच गई। चारों ओर से भीष्म पर फब्तियाँ कसी जाने लगीं– "माना कि भरतवंशी भीष्म बड़े बुद्धिमान और विद्वान हैं, स्वयंवर से इन्हें क्या मतलब? इनके प्रण का क्या हुआ? जीवनभर ब्रह्मचारी रहने की इन्होंने जो प्रतिज्ञा की थी, क्या वह झूठी थी?" इस भाँति सब राजकुमारों ने भीष्म की हँसी उड़ाई, यहाँ तक कि काशिराज की कन्याओं ने भी भीष्म की तरफ से दृष्टि फेर ली और उनकी अवहेलना–सी करके आगे की ओर चल दीं। भीष्म इस अवहेलना को सह न सके। उन्होंने सभी राजकुमारों को हराकर तीनों राजकन्याओं को बलपूर्वक रथ पर बैठा लिया और हस्तिनापुर को चल दिए।

शब्दार्थ– खलबली= हलचल, फब्तियाँ= चुभती हुई या व्यंग्यपूर्ण बात करना, अवहेलना= अपमान/अनादर

सौभदेश का राजा शाल्व बड़ा वीर था। काशिराज की सबसे बड़ी कन्या अंबा उस पर अनुरुक्त थी और उसको मन-ही-मन अपना पति मान चुकी थी। शाल्व ने भीष्म के रथ का पीछा किया और उसको रोकने का प्रयत्न किया। इस पर भीष्म और शाल्व के बीच घोर युद्ध छिड़ गया। भीष्म ने उसे हरा दिया, किंतु काशिराज की कन्याओं की प्रार्थना पर उसे जीवित ही छोड़ दिया। भीष्म काशिराज की कन्याओं को लेकर हस्तिनापुर पहुँचे। विचित्रवीर्य के विवाह की सारी तैयारी हो जाने के बाद जब कन्याओं को विवाह-मंडप में ले जाने का समय आया,

शब्दार्थ- वीर= ताकतवर योद्धा, अनुरक्त= अनुराग युक्त प्रेमी, प्रयत्न= प्रयास

तो काशिराज की बड़ी बेटी अंबा एकांत में भीष्म से बोली– "गांगेय, मैंने अपने मन में सौभदेश के राजा शाल्व को अपना पति मान लिया था। इसी बीच आप मुझे बलपूर्वक यहाँ ले आए। मेरे मन की बात जानने के बाद आप मेरे बारे में अब जो उचित समझें, करें। " भीष्म को अंबा की बात जँची। उन्होंने अंबा को उसकी इच्छानुसार उचित प्रबंध के साथ शाल्व के पास भेज दिया और अंबा की दोनों बहनों– अंबिका और अंबालिका का विचित्रवीर्य के साथ विवाह करा दिया। अंबा अपने मनोनीत वर सौभराज शाल्व के पास गई और सारा वृत्तांत कह सुनाया।

शब्दार्थ– गांगेय= गँगा पुत्र भीष्म, जँची= अच्छी लगी, मनोतीत= पसंद किया हुआ, वृत्तान्त= समाचार/विवरण

उसने कहा– "राजन! मैं आपको ही अपना पति मान चुकी हूँ। मेरे अनुरोध से भीष्म ने मुझे आपके पास भेजा है। आप मुझे अपनी पत्नी स्वीकार कर लें।" पर शाल्व न माना। उसने अंबा से कहा– "सारे राजकुमारों के सामने भीष्म ने मुझे युद्ध में पराजित किया और तुम्हें बलपूर्वक हरण करके ले गए। इतने बड़े अपमान के बाद मैं तुम्हें कैसे स्वीकार कर सकता हूँ। तुम्हारे लिए अब उचित यही है कि तुम भीष्म के पास जाओ और उनकी सलाह के मुताबिक ही काम करो।" बेचारी अंबा हस्तिनापुर लौट आई और भीष्म को सारा हाल कह सुनाया।

शब्दार्थ– अनुरोध= आग्रह, हरण= चुराना/लूटना, मुताबिक= अनुसार/अनुकूल, बेचारी= दीन/निस्सहाय

प्रश्नोत्तर भाग 1

प्रश्न-1 सत्यवती के पति का नाम क्या था?

उत्तर- सत्यवती के पति का नाम शान्तनु था।

प्रश्न-2 सत्यवती के कितने पुत्र थे?

उत्तर- सत्यवती के दो पुत्र थे।

1- चित्रांगद, 2- विचित्रवीर्य

प्रश्न-3 चित्रांगद कैसे योद्धा थे?

उत्तर- चित्रांगद बड़े ही वीर, परन्तु स्वेछाचारी योद्धा थे।

प्रश्न-4 चित्रांगद की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर- एक बार किसी गंधर्व के साथ युद्ध हुआ, जिसमें वे मारे गए।

प्रश्न-5 चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी क्यों दी गई?

उत्तर- चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी इसलिए दी गई क्योंकि चित्रांगद का कोई पुत्र नहीं था।

प्रश्न-6 कुछ समय के लिए हस्तिनापुर की राजगद्दी भीष्म को क्यों सँभालनी पड़ी?

उत्तर- विचित्रवीर्य की आयु उस समय बहुत छोटी थी, इस कारण उनके बालिग होने तक राज–काज भीष्म को ही सँभालना पड़ा।

प्रश्न-7 भीष्म काशी क्यों गए?

उत्तर- भीष्म काशिराज की कन्यायों के स्वयंवर में सम्मिलित होने काशी गए।

प्रश्न-8 जब भीष्म स्वयंवर मंडप में प्रविष्ट हुए तो सभी राजकुमारों ने क्या सोचा?
उत्तर- जब भीष्म स्वयंवर मंडप में प्रविष्ट हुए तो सभी राजकुमारों ने सोचा कि वह सिर्फ़ स्वयंवर देखने के लिए आए हैं।

प्रश्न-9 स्वयंवर में भीष्म पर फब्तियाँ क्यों कसी जाने लगी?
उत्तर- जब स्वयंवर में सम्मिलित होनेवालों में भीष्म ने भी अपना नाम दिया तब सभा में खलबली मच गई और चारो ओर से भीष्म पर फब्तियाँ कसी जाने लगी।

प्रश्न-10 क्या भीष्म स्वयं के लिए स्वयंवर में सम्मिलित होने गए थे?
उत्तर- भीष्म स्वयं के लिए नहीं बल्कि अपने भाई विचित्रवीर्य के लिए स्वयंवर में सम्मिलित होने गए थे।

प्रश्न-11 भीष्म किस अवहेलना को सह नहीं पाए और उन्होंने क्या किया?

उत्तर- काशिराज की कन्यायों ने भीष्म की तरफ़ से दृष्टि फेर कर उनकी अवहेलना की जो भीष्म सह न सके इसलिए उन्होंने सभी राजकुमारों को हराकर तीनों राजकन्यायों को बलपूर्वक हस्तिनापुर ले गए।

प्रश्न-12 काशिराज की सबसे बड़ी कन्या का क्या नाम था और वह किसे मन ही मन अपना पति मान चुकी थी?

उत्तर- काशिराज की सबसे बड़ी कन्या का नाम अंबा था और वह राजा शाल्व को मन ही मन अपना पति मान चुकी थी।

प्रश्न-13 किसने भीष्म के रथ को रोकने का प्रयत्न किया?

उत्तर- सौभदेश के राजा शाल्व ने भीष्म के रथ को रोकने का प्रयत्न किया।

प्रश्न-14 अंबा की मन की बात जानकर भीष्म ने क्या किया?
उत्तर- अंबा की मन की बात जानकर भीष्म ने उसे राजा शाल्व के पास भेज दिया।

प्रश्न-15 अंबिका और अंबालिका का विवाह किसके साथ हुआ?
उत्तर- अंबिका और अंबालिका का विवाह विचित्रवीर्य के साथ हुआ।

धन्यवाद